सम्पादकीय: *''...हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा, जिसके द्वारा हमारा मेल हुआ है, परमेश्वर में आनन्दित होते हैं।''* रोमियों 5:11

क्या हम सदैव एक दूसरे के मित्र हैं? जब मैं फ्रेन्डस् मीटिंग्स् और कलीसियायों के मध्य में और सदस्यों में संघर्ष, प्रतिद्वन्द्विता और विरोध को मवाद के समान देखती हूँ तो गहिराई से चिन्तन करती हूँ। जॉर्ज फॉक्स का सन्देश है: *''केवल एक, जैसा कि मसीह यीशु है जो तेरी दशा के बारे में बोल सकता है।''* यह आसानी से दिखाई नहीं देता, कि यीशु की वाणी सुनी जाती हो, हमारी मिट्‌टी के समान मानवीयता के कूड़ा-करकट को बदल रही हो, हमारे प्रेमी परमेश्वर के विशुद्ध पवित्र आत्मा में। यदि हम एक दूसरे से ''मित्रता'' करने के लिए मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण नहीं करते तब तो एक शान्ति कलीसिया के रूप में हमारी साक्षी कठोरता से समझौतावादी है।

हम अपनी सबसे नवीन वार्षिक सभा, दि फिलिप्पाइन्स् इवेन्जलीकल फ्रेन्डस् चर्च का समाचार सुनकर-आनन्दित हैं, कि वहाँ एक स्वस्थ उन्नति हो रही है, और युवा फ्रेन्डस् के बीच में अत्यन्त मज़बूत गवाही है। फिर, उस देश में कोई कार्यक्रम बनाए बिना अब हमारे सम्पर्क में हैं और निरन्तर मिलते रहेंगे।

मार्च माह के समाचार पत्र में निबन्ध प्रतियोगिता का विज्ञापन दिया गया था, उसने दिलचस्पी तो बढ़ाई है, पर अभी तक बहुत कम निबन्ध मिले हैं। कृपया आप अपनी प्रवष्टियाँ जून 30 तक भेजने का कष्ट करें। अपने धर्मविज्ञान के सम्बन्ध में, एशिया में जो अद्वितीय है उससे पहचान बढ़ाना चाहते हैं।

हमारे खजानची ने 2009 का बजट बनाने में कठोर परिश्रम किया है। निरपेक्ष रूप से उसमें कोई ''चर्बी'' नहीं है। हम तो अपने मित्रों की दया पर निर्भर हैं कि हमारे कार्य के प्रति दान दें।

फ्रेन्डस् यह ध्यान देंगे कि ए डब्ल्यू पी एस कनसर्न और ग्जोबल चेन्ज (वैश्विक परिवर्तन या बदलाव) के सम्बन्ध में उन्नतिशील है। कृपया इस समाचार पत्र के द्वारा अपने विचारों, सुझावों और आलोचनाओं को प्रकट करें। सँचारण के लिए यह आपका वाहन है। पढ़कर प्रसन्न हों और परमेश्वर की असीम आशीषें पाएँ।

वालेरी जॉए,
कार्यकारी सचिव ए डब्ल्यू पी एस

पुनरवलोकन: '' एक साथ मिलकर बुद्धि का अभ्यास करें: ***निर्णय लेने में आगे परमेश्वर का तरीका पाना''*** (प्रेकटिसिंग डिसर्नमैन्ट टूगैर: फाइन्डिंग गॉडस् वे फारवर्ड इन डिसीज़न मेकिंग; द्वारा लॉन फैन्डाल, जैन वुड और ब्रूस बिशप, बर्कले प्रैस, 2007

यह पुस्तक उन लोगों के लिए है जो बड़ी गंभीरता से परमेश्वर के लोग बनना चाहते, जो समझते हैं कि परमेश्वर, पवित्र आत्मा व्यक्ति विशेषों और विश्वासियों के समूहों से भी बोलता है कि शान्ति के प्रति उनकी अगुवाई करे। प्रेरितों के कामों की पुस्तक में, हम पवित्र आत्मा को मण्डराते, नयी कलीसिया को रूप देते और मार्गदर्शन देते हुए देखते हैं, प्रेरितों के काम 15. यहाँ पर मसीहियों के दो समूहों के मूल विश्वास को चुनौती देते हुए पाते हैं। उनसे कहा गया था कि संघर्ष या प्रतिद्वन्द्विता की अनुपस्थिति न होगी, पर उन्हें उस प्रतिद्वन्द्विता से निपटने के स्वस्थ एवं रचनात्मक तरीके बताए गए थे। प्रेरित पौलुस स्पष्ट रूप से प्रक्रिया का खाका तैयार करता है जिसके द्वारा हम 1 कुरिन्थियों 2:10-16 में परमेश्वर के सत्य और मार्गदर्शन को पहचान सकते हैं, जो कि विजयोल्लास के साथ कहता है, ''क्योंकि प्रभु का मन किसने जाना है कि उसे सिखाए? परन्तु हममें प्रभु का मन है।''

गहरी प्रतिद्वन्द्विता या संघर्ष परमेश्वर की ओर मुड़ने का निमंत्रण है, जो हमें पुन: प्रतिष्ठित सम्बन्धों में आगे अगुवाई करना चाहता है। पहचानना, बुद्धि या विवेक से काम लेना मांग करता है कि हम उस पर केन्द्रित हों जिसे परमेश्वर कर रहा है, यह नहीं जो हम सोचते हैं वही होना चाहिए। यह दूसरों को आदरपूर्वक सुनने की मांग करता है, और यह कि हम विश्वासयोग्यता से अपनी ही प्रतिभाओं को सामने रखें। हमें शान्त रहकर परमेश्वर की वाणी सुनने की खोज में लगना है और परमेश्वर के उस कहने के प्रति खुले रहना है जो हमारी अपेक्षा से कहीं भिन्न बात बोल रहा है। नीतिवचन 8:32-34 में, ''इसलिए अब हे मेरे पुत्रो, मेरी सुनो; क्या ही धन्य हैं वे जो मेरे मार्ग को पकड़े रहते हैं। शिक्षा को सुनो, और बुद्धिमान हो जाओ, उसके विषय में अनसुनी न करो। क्या ही अन्य है वह मनुष्य जो **मेरी सुनता**, वरन् मेरी डेवढ़ी पर प्रतिदिन खड़ा रहता, और मेरे द्वारों के खंभों के पास दृष्टि लगाए रहता है।''

तथापि, सुनने के साथ-साथ, हमसे बोलने की मांग भी की जाती है। जैसा कि नीतिवचन 25:11-13 में है, ''जैसे चान्दी की टोकरियों में सोने के सेब हों, वैसा ही ठीक समय पर कहा हुआ वचन होता है। जैसे सोने का नथ और कुन्दन का जेवर अच्छा लगता है, वैसे ही मानने वाले के कान में बुद्धिमान की डाँट भी अच्छी लगती है...।'' थोमस कैली परमेश्वर द्वारा उपयोग किए जाने के विषय में बात करते हैं कि दूसरों पर परमेश्वर के सत्य को व्यक्त करें ''जब एक जन बोलने के लिए उठता है, तब किसी के पास *उपयोग किए जाने* का भाव होता है, अथवा उस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने का, जिसके द्वारा बोला जाना हो।

रोमियों 12:1-6 में पौलुस हमें सिखाता है कि हम सब मसीह की देह में अंग अंग करके बनाए जाते हैं, अपने आपको प्रेमी परमेश्वर को भेंट चढ़ाने के लिए

बुलाए गए हैं। जितनी अच्छी तरह से हम मसीह को जान जाते हैं, उतनी ही अच्छी रीति से हम मसीह की अगुवाई को पहचानने योग्य बन जाते हैं।

कुलुस्सियों 3: 9-15 में पौलुस लिखता है कि हम प्रेम करुणा, दीनता, विनम्रता, सहनशीलता, मनोबल, अनुशासन के एक नये जीवन के लिए चुने गए हैं। दूसरे स्थान के लिए संयमित, सन्तुष्ट बने रहो, किसी अपराध को तुरन्त क्षमा कर दो। ''मसीह की शान्ति जिसके लिए तुम एक देह होकर बुलाए भी गए हो, तुम्हारे हृदय में राज्य करे, और तुम धन्यवादी बने रहो।'' इस पुस्तक के लेखक वर्तमान में अन्तरराष्ट्रीय अवसरों की खोज कर रहे हैं कि क्वेकर समुदाय विरोध या तनाव को रचनात्मक ढंग से सुलझा सके।

कार्य रूप में ए डब्ल्यू पी एस की पहचान:

इस मार्च में ओरेगन में केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति के भाग के रूप में, सचिवों से कहा गया था कि वे सामरिक महत्त्व की योजनाओं को एक दूसरे के साथ और एफ डब्ल्यू सी सी के विश्व कार्यालय के साथ विचार विमर्श के लिए प्रस्तुत करें।

ये सब इतने बिखरे हुए थे कि कैसे अपनी योजना को एक साथ रखें, प्रारूप बनाएँ और इसमें और भी बहुत-सा कार्य सम्मिलित रहेगा कि मार्च 2011 में होने वाली सेक्शन गेदरिंग में प्रस्तुत करने के लिए इसे तैयार किया जाए। उन सब को धन्यवाद जिन्होंने विवेकपूर्ण टिप्पणियाँ ई-मेल से भेजीं। जो पाँच लक्ष्य पहचाने गए वे हैं:

1. सेक्शन के अन्दर ही संचार सम्पर्क को मज़बूत बनाना
2. आत्मिक उन्नति को मज़बूत बनाना और अध्ययन, प्रार्थना, रिट्रीटों द्वारा संवाद (बातचीत) करना
3. फ्रेन्डस् की सभी परम्पराओं के बीच में संवाद को प्रोत्साहित एवं बलवन्त करना
4. फ्रेन्डस् एवं विशेष रूप से युवा फ्रेन्डस् के मध्य में अगुवाई को प्रोत्साहित एवं बल प्रदान करना
5. वैश्विक परिवर्तन के सम्बन्ध में अपनी साक्षी का विकास करना

यदि आप चल रहे पहचान प्रक्रिया का एक भाग बनना चाहते हैं, तो कृपया सम्पर्क करें: valerie@fwccawps.org

फिलिप्पाइन्स् इवेन्जलीकल फ्रेन्डस् चर्च

इस फ्रेन्डस् चर्च ने 15 फरवरी को पासिग चर्च में 31वीं वर्षगाँठ मनाई जहाँ लिडिया और जैमे तबिन्गो रहते हैं और यह उनका आधार है। उनका लक्ष्य है कि

2009 में 209 नये फ्रेण्डस् को मसीह के पास लाया जाए। वर्तमान में उन की संख्या 3,500 है।

एक अत्यन्त प्रभावशाली शिक्षण सेवा विकसित की गई है, और बहुत से युवा फ्रेन्डस् पासबानों के रूप में प्राशिक्षण ले रहे हैं। अनेक स्कूल और बालविहार स्थापित किए गए हैं और पासबान तथा उनके परिवार सदस्यों की देखभाल करने में अत्यन्त कठोर परिश्रम कर रहे हैं।

पी इ एफ सी हमारे सेक्शन में सबसे बड़ी वार्षिक सभा है और चार एफ डब्ल्यू सी सी प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई है: लिडिया तबिन्गो, जॉन ओकोल, बैटी पुलिडो और मेलानिया लाओ। मैल्ली की नियुक्ति ए डब्ल्यू पी एस समिति के लिए की गई है।

आगामी सेक्शन गेदरिंग के लिए स्थान पा लिया गया है, जोकि मेरीहिल पर पासिग चर्च के बहुत निकट है। कृपया उनकी वैबसाइट को देखें, जो कि www.bukalngtipan.com है। यहाँ से आप सुन्दर बगीचों, मनीला के सुरम्य दृश्यों को देख सकते हैं; सुखद भोजन एवं सभा कक्ष और शयनकक्ष हैं। अस्थाई तिथि 26 मार्च से 3 अप्रैल, 2011 रखी गई है, और हम अपने सेक्शन और उसके बाहर के 100 से अधिक फ्रेन्डस्, जिसमें युवा फ्रेन्डस् भी सम्मिलित हैं, के स्वागत करने की आशा करते हैं।

फ्रेन्डस् इन डीड (अंग्रेज़ी में), द्वारा हीदर साविल्ले

20 मार्च को क्वेकर सर्विस आस्ट्रेलिया ने अपनी 50वीं वर्षगाँठ की पुस्तक **फ्रेन्डस् इन डीड** (कार्य में लगे फ्रेन्डस्) पुस्तक का विमोचन किया जिसे हीदर साविल्ले ने लिखा है। यह अंग्रेज़ी में लिखी पुस्तक ऑस्ट्रेलियन डॉलर 24.95 (डाक खर्च 9.60 आ.डॉलर) में उपलब्ध है जिसे क्वेकर सर्विस ऑस्ट्रेलिया से प्राप्त किया जा सकता है। अपनी प्रति खरीदने के लिए देखें वैबसाइट: www.qsa. au.

क्यू एस ए के कार्य के इस वृत्तान्त को जो 50 वर्षो से चल रहा है, पढ़ने पर ऐसा लगता है कि देश-विदेश की यात्रा से सम्मिलित हों। यह पढ़ने में चित्ताकर्षक हैं कि किस प्रकार क्यू एस ए मूल रूप से अमरीका के ए एफ एस सी और क्वेकर पीस और यू के में सोशल विटनस से उभरी, और अपनी ही संस्था का विकास कर रही है जिसमें उनके अपने कार्यकर्त्ता (स्वयंसेवक एवं वेतन भोगी) हैं जो सहभागी देशों और आस्ट्रेलिया में कार्यरत हैं। यह कठिन प्रश्न पूछती है, जैसे कि *हमारा कार्य कितना प्रभावकारी है? रुपया कहाँ से आता है? क्या यह ग़रीबों के पास जाती है? क्या यह किसी भले काम में सहायता देती है?*

यह महत्त्वपूर्ण प्रश्नों में से एक के लिए महान् योगदान देती है ''मैं क्या कर सकता हूँ'' यह पुस्तक आपको आशा की किरण के कुछ कारण देगी।

भिन्नता का एक संसार बनाएँ: एक दूसरे की सुनें, पृथ्वी को चंगा करें

विश्व के धर्मों की संसद

3-9 दिसम्बर 2009
मैलबार्न आस्ट्रेलिया
www.parliament.veligious.org

धर्मों की विश्व संसद (डब्ल्यू पी आर) 3-9 दिसम्बर, 2009 मैलबॉर्न, ऑस्ट्रेलिया

मैलबॉर्न फ्रेण्ड मैक्सवैल केटेल्स् लिखते हैं: ''यह संसद मैलबॉर्न में ***3 से 9 दिसम्बर, 2009 तक*** होगी। इस अन्तरराष्ट्रीय घटना या सम्मेलन के लिए स्थानीय विश्वास समुदायों के 50 प्रतिनिधियों में से मैं एक हूँ, जो कि प्रत्येक 5 वर्षों में भिन्न नगर में होती है। मेरा संक्षेपण क्वेकर्स् के लिए एक सम्पर्क सूत्र होगा, और विक्टोरियन क्वेकर्स् के लिए, लोकाचार, संस्था और अन्तर-विश्वास जमावड़े (गेदरिंग) के लिए प्रस्तुतीकरण होगा।''

इस वर्ष की डब्ल्यू पी आर का विषय है: **''एक अलग-सा संसार बनाएँ; एक दूसरे की सुनते हुए, पृथ्वी को चंगाई देते हुए।''** (देखें, **www.parliamentofreligions.org**)। 10,000 लोगों के भाग लेने की अपेक्षा की जा रही है। डब्ल्यू पी आर के समय स्थानीय एवं अन्तरराष्ट्रीय अतिथि भी आएँगे। प्रमुख वक्ताओं में लॉरेन्स फ्रीमैन (संचालक, *वर्ल्ड कॅम्यूनिटी फॉर क्रिश्चयन मेडिटेशन)*, मेरी रॉबिनसन, चीफ ऑरेन लिओन्स् *(नेटिव अमेरीकन फेथकीपर ऑफ द टर्टल क्लान ऑफ द ओनोनडागा नेशन-यू एस ए)*, प्रोफे. जॉए मर्फी वान्डिन *(सीनियर एबोरीजिनल वूमैन ऑफ द वुरुन्डजेरि पीपुल, विक्टोरिया)*, रब्बी डेविड रोज़ेन *(चैयरमैन ऑफ द इन्टरनेशनल ज्युइश कमीटी ऑन इन्टररिलीजॅस कन्सलटेशनस्)* सम्मिलित होंगे और दलाई लामा जो सम्मेलन का अन्त करेंगे।

अन्तर्विश्वास संवाद भाग के रूप में, भाग लेने वाले सामाजिक सहभागिता और विवेचनात्मक मामलों को सम्बोधित करेंगे जिनका सामना वैश्विक समुदाय कर रहा है।

आप किसी तरह इसमें भाग लेना चाह सकते हैं, जैसे कि पूर्णकालिक या आधे भाग के लिए दिसम्बर में भाग लेने के पंजीकरण करा सकते हैं, संसद के पूर्व या दौरान वालंटियर बनने, या नि:शुल्क घटनाओं में भाग लेने के द्वारा। इस वर्ष के बाद वाले भाग में देशीय राज्यों और अन्तरराष्ट्रीय अतिथियों को घरों में रुकाने के प्रबन्ध किए जाएँगे। संसद से पूर्व की सभाएँ ऑस्ट्रेलिया के दूसरे नगरों में की जाएँगी। एक दूसरी संभावना यह है कि किसी प्रकार के कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण जैसे कि व्याख्यान, शैक्षणिक प्रतिवेदन/आलेख, सेमीनार, पैनल विचार-विमर्श, आत्मिक रिवाज़, वर्कशॉप, प्रशिक्षण सत्र या कलात्मक प्रदर्शन। आगे के विवरण उपरोक्त वैबसाइट में दिए गए हैं।

डब्ल्यू पी आर के किसी भी मामले पर मुझ से सम्पर्क करें: **मैक्सवैल केटेल्स्** (03) 9819 5728/ 0427/ 866 934/ maxwell.ketels@gmail. com

* * *

Moral Economy Project **नैतिक आर्थिक प्रोजेक्ट**
Quaker Institute for the Future **भविष्य के लिए क्वेकर संस्था**

विचारगोष्ठी: *परिस्थिति विज्ञान की लाइन के साथ मानवीय अर्थव्यवस्था को लाना*

मोनट्रियल क्यू सी, मई 15-16, 2009

मौरल इकोनॉमी प्रोजेक्ट और भविष्य के जिए क्वेकर इन्स्टीट्यूट की ओर से आपको आंमत्रित करते हुए हर्ष हो रहा है कि *परिस्थिति विज्ञान की लाइन के साथ मानवीय अर्थव्यवस्था को लाना* संगोष्ठी में मई 15-16, 2009 पुराने मौनट्रियूल में भाग लें। इस संगोष्ठी का उद्देश्य मौरल इकोनौमी प्रोजेक्ट पुस्तक *राइट रिलेशनशिप: बिल्डिंग ए होल अर्थ इकोनौमी* (सही रिश्ते : एक सम्पूर्ण पृथ्वी की अर्थव्यवस्था का निर्माण करना) में दिए विचारों का विकास एवं लागू करना। (बेररैट-कोयलर पब्लिशर्स्, फरवरी 2009)।

पंजीकृत भाग लेने वाले *राइट रिलेशनशिप : बिल्डिंग ए होल अर्थ इकोनॉमी (अंग्रेज़ी में)* की एक प्रति प्राप्त करेंगे जो कि हमारे निर्णयों के लिए आधार का काम करेगी। दूरस्थ भाग लेना संगोष्ठी की कार्यवाहियों के वीडियो ऑनलाइन डिसकशन फोरम पर देखे जा सकते हैं। हम संगोष्ठी में भाग लेने वालों को ज़ोर देकर प्रोत्साहित करते हैं कि दूरस्थ रूप में अपने समुदायों के लोगों के भाग लेने के प्रबन्ध करें।

संगोष्ठी पर ऑनलाइन विचार-विमर्श के विषय संगोष्ठी आंरभ होने के पहले ही वाइज़र अर्थ वेबसाइट पर सूचीबद्ध कर दिए जाएँगे इसी दौरान कृपया मौरल इकॉनॉमी प्रोजेक्ट विचार गोष्ठी और आउटरीच ग्रुप ऑन वाइज़र अर्थ ऑर्ग पर साइन करें। यह एक क्यू आई एफ या क्वेकर इन्स्टीट्यूट फॉर द फ्यूचर प्रोजेक्ट है। अधिक जानकारी के लिए देखें: www.quakerinstitute. org

इलेक्ट्रॉनिक रूप से क्वेकर इन्स्टीटयूट फॉर द फ्यूचर/मौरल इकोनॉमी प्रोजेक्ट विचारगोष्ठी में भाग लेना [केवल हमारे उन पाठकों के लिए संभव है जो ऑनलाइन (इन्टरनेट द्वारा) न्यूज़लैटर प्राप्त करते हैं।]

वे जो मई 15-16, 2009 को विचारगोष्ठी में व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं ले सकते, उनके लिए हमें घोषणा करते हुए हर्ष होता है कि इन्टरनेट पर दूर-दराज़ से भाग ले सकते हैं।

प्रत्येक भाग लेने वाले के पास प्रमाणिक ई-मेल का पता होना चाहिए कि सूचना को लॉग-ऑन कर सके। नियमित भाग लेने वालों के लिए, उन्हें केवल यह करना है कि हमसे ई-मेल प्राप्त करें, फिर, इसमें दी गई लिन्क पर क्लिक करें और फिर जो पृष्ठ उन्हें भेजा गया है उसके लॉग-इन बॉक्स में अपना नाम लिखें और फिर "सबमिट" करें, और फिर, वे सारी जानकारी देख पाएँगे। उपयोग करनेवालों के लिए इसे बहुत ही सरल बनाया गया है, ताकि कोई समस्या आड़े न आए। हम "सिफारिश" करते हैं कि लोग 'फायर फॉक्स' का अपने ब्राउज़र के रूप में उपयोग करें, क्योंकि यह बहुत बारीकी से जाँचा परखा गया है और विश्वास करने योग्य सौफ्टवेयर है, पर यह इन्टरनेट एक्सप्लोरर, सफारी, ऑपेरा, क्रोम, इत्यादि द्वारा काम करेगा, और फिर यह बिल्कुल मुफ़्त है, चाहे कोई कहीं भी उपयोग कर सकता है।

दूर-दराज के भाग लेने वाले लॉग-इन करने योग्य होंगे और समस्त प्रस्तुतीकरण को देख एवं सुन सकते हैं, चाहे वे मॉनट्रियल में हों या अन्य स्थानों पर; फिर टैक्ट-बेस्ड चैट से वे एक दूसरे से बात कर सकते हैं और प्रश्न तथा विचार-विमर्श के सत्रों में योगदान दे सकते है। उन्हें अंग्रेज़ी भाषा का ज्ञान होना ज़रूरी है।

प्रत्येक जो सम्मिलित है। उसे इनकी आवश्यकता पड़ेगी:

– एक इन्टरनेट कनेक्शन

– एक कम्प्यूटर जिसमें फ्लैश सौफ्टवेयर लोड हो

– एक माइक्रोफोन, यदि आप ज़ोर से प्रश्न पूछना चाहते हैं; यदि नहीं, तो आप ''चैट'' फन्कशन कनेक्शन का उपयोग करके प्रश्न लिखकर भेज सकते हैं।

ऐसे भाग लेने वालों के लिए जिनके पास डायल-अप इन्टरनेट कनेक्शन है विशेष प्रबन्ध उपलब्ध हैं या फिर धीमी या अनियमित पहुँच हो। कृपया हमें अपनी स्थिति के बारे में बताएँ और हम आपको सहायता देंगे।

हम चाहते हैं कि आप हमें 1 मई तक बताएँ (grace@ moraleconomy.org) यदि आप दूर-दराज़ से इसमें भाग लेना चाहते हैं। हम गहराई से सोचते हैं कि यात्रा सम्बन्धी खर्च बचाने के लिए दूर से ही घर बैठे आप इस प्रकार की गेदरिंग में भाग ले सकते हैं। हम आशा करते हैं कि इसकी प्रभावकारिता का प्रदर्शन और उपयोग करने में सरल है। हम दूसरों को भी प्रोत्साहित करते हैं कि भविष्य की घटनाओं-कार्यक्रमों में हमारे साथ सम्मिलित हों।

समय के अन्तरों को जानने के लिए www.timeanddate.com/worldclock/ खोलकर देखें। यदि आपके पास कोई प्रश्न हों तो मुझ से सम्पर्क करें।

ग्रेस सीबोल्ड, दि मौरल इकॉनॉमी प्रोजेक्ट
grace@moraleconomy.org

फिलिप्पाइन्स् कार्यक्रम बनाए बिना फ्रेन्डस्: फरवरी 21 को फिलिप्पाइन्स् विश्वविद्यालय में आराधना के लिए एक सभा आयोजित की गई जिसमें दस लोग उपस्थित थे। दोपहर के भोजन और विचार-विमर्श के बाद इन एफ/फ्रेन्डस् ने निर्णय लिया कि जैसे अवसर मिलते हैं आगे भी आराधना सभा का आयोजन करेंगे। इस समूह की विस्तृत जानकारी मिखाएल तान के पास उपलब्ध है: vetmedanthro@gmail.com

इस समूह के सदस्यगण कई अर्न्तविश्वास गतिविधियों में सम्मिलित हैं, इसके अतिरिक्त नानाविध कठोर मानवीय अधिकारों को भी सम्बोधित करते हैं जो फिलिप्पाइन्स् में पाए जाते हैं। हम उनसे सेक्शन गेदरिंग में मिलने की आशा करते हैं, जब वे कुछ सत्रों की योजना बनाने में योगदान देंगे।

फ्रेन्डस् के समाचार

वान्नेसा जुली ने जो इण्डिया फ्रेन्डस् वर्किंग ग्रुप फिलाडेल्फिया वार्षिक सभा का काम करने वाला समूह है, आपने एक नई पुस्तक लिखी है जिसका शीर्षक है: ''क्वेकर्स, अफ्रीकन-अमरीकन्स् एन्ड द मिथ ऑफ रेसियल जस्टिस'' (अंग्रेज़ी में)। अधिक जानकारी के लिए देखें www.philly.com/inquirer/magazine20090205Quaker_mythbusters.html

नाडाइन हूवर जो कि फ्रेन्डस् पीस टीम्स् इन्डोनेसिया इनिशियेटिव्स् से हैं लिखती हैं; ''प्रत्येक जन को धन्यवाद जो इस संसार को कहीं अधिक प्रेमी, ईमानदार और शान्तिमय स्थान बना रहे हैं। उत्तरी सुमात्रा में एक शरणार्थी शिविर के बच्चे शायद ही विश्वास कर सकें कि ठीक उनके समान ओबामा इन्डोनेसियन स्कूल में गए थे। 19 जनवरी को उन्होंने मिशैल ओबामा द्वारा आयोजित शान्ति के लिए सेवा सभा में भाग लिया था।''

वैश्विक बदलाव समिति ए डब्ल्यू पी एसः

कान्फ्रेन्स द्वारा बुलाई गई इस समिति की चार बैठकें हुईं। वे ऑन-लाइन फॉरम को उपयोग करने के लिए सहमत थे जिसे जूलियन स्टारगर्ड्ट द्वारा लगाया गया ताकि विचारों का आदान-प्रदान किया जाए और विचार-विमर्श के लिए मामलों पर निर्णय लिया जा सके। वे सभी वार्षिक सभाओं और समूहों को प्रश्नावलि भेजेंगे और कभी कभी प्रतिवेदनों की जानकारी को बढ़ाने के प्रयास स्वरूप बांटेंगे-बताएँगे। जिन विशेष विषयों को लिया गया है वे हैं, समुद्र, बर्फ का पिघलना, यूद्ध-सामग्री, शीर्ष तेल, पानी और आर्थिक घटक। कार्यकारी संयोजक, डेविड पुरनैल से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है: david.christine@iinet.net.au

वैश्विक परिवर्तन पर: एफ डब्ल्यू सी सी अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व बदलाव पर तीन अभिक्रमों के लिए योजना बना रही है: एक वैब पेज़ जो कथनों, विवरणों और दस्तावेज़ों द्वारा वार्षिक सभाओं और अन्य कलीसियायों द्वारा इस विषय पर अन्य सहायक स्रोत सामग्री को उपलब्ध कराएगा।

क्षेत्रीय समूहों की एक श्रेणियाँ जहाँ फ्रेन्डस् के छोटे समूह आमने-सामने मिल सकते और अपनी कहानियों (बातों) को बता पाएँगे; लगभग 50 फ्रेन्ड्स की एक अन्तरराष्ट्रीय परामर्श समिति, कि विश्व में चहूँ ओर भेजे जाने वाले कथन को तैयार करे। सन् 2007 की त्रैवार्षिक ड्बलिन में एफ डब्ल्यू सी सी में उठाए गई चिन्ताओं और बीते वर्ष एफ डब्ल्यू सी सी एशिया वेस्ट पेसीफिक सेक्शन मीटिंग जो भोपाल में हुई थी, के परिणामस्वरूप केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति ने वैश्विक परिवर्तन पहल पर फीज़िविलिटी स्टडी ग्रुप (व्यवहार्यता अध्ययन समूह) की नियुक्ति की। इसका प्रतिवेदन, *''मैन्डिग द वर्ल्ड: ए ब्रोकन कवनेन्ट? फ्रेन्डस् रिसपोन्सस टू ग्लोबल चेन्ज''* (संसार की मरम्मत (सुधारना): एक टूटी वाचा? विश्व बदलाव के प्रति फ्रेन्डस् का प्रत्युत्तर) ने योजनाओं को रूप दिया। इन चिन्ताओं के प्रति

क्वेकर्स् की महत्ता को पहचाना गया और उन कार्यवाहियों को भी जो कि विशेषत: एफ डब्ल्यू सी सी के करने का कार्य है, न कि अन्य फ्रेण्डस् निकायों का।

2012 - केनया में विश्व सम्मेलन की अब तक की कार्यवाई

2012 केनया में वर्ल्ड कान्फ्रेन्स-अभी तक : लिज़् गेटस्-फिलाडेल्फिया वाय एम और प्रदीप लामिच्छाने नेपाल फ्रेन्ड्स् चर्च के अन्तरराष्ट्रीय योजना बनाने वाली समिति के सह-क्लर्क हैं जो कि 2012 फ्रेन्डस् के विश्व सम्मेलन के लिए नियुक्त किए गए, जिन्होंने नेरौबी के निकट केनया में 14 से 21 अगस्त 2012 तक अफ्रीका नाज़रीन विश्व विद्यालय में इस सम्मेलन की योजना बनाई है। ऐसी आशा की जाती है कि 1,000 फ्रेन्डस् भाग लेने योग्य होंगे, जिसमें युवाओं पर विशेष ज़ोर दिया गया है कि भविष्य की अगुवाई को पोषित किया जाए। वार्षिक सभाओं से कहा जाएगा कि अपने प्रतिनिधियों के नाम सितम्बर 2011 तक भेज दें। विषय से सम्बन्धित अध्ययन सामग्री शरत् 2011 तक वितरित कर दी जाएगी और व्यक्ति विशेष विषय के विकास का अनुसरण करने योग्य होंगे। फोटो: बैनिटोवेकेसा

वामाल्वा, ईस्ट अफ्रीका वाय एम (उत्तर), स्थानीय प्रबन्ध समिति के सह-क्लर्क जो 2012 विश्व सम्मेलन के लिए हैं।

आओटीयरोआ न्यूज़ीलैंड शताब्दी: इस जुलाई में स्काट्स् कॉलेज वैलिन्गटन में आओटीयरोआ वार्षिक सभा बीते 100 वर्षों से अधिक के अपने काम और गवाही की शताब्दी मनाएगी। वार्षिक सभा के पहले एक रिट्रीट होगी और वैलिन्गटन टाऊन हॉल में सार्वजनिक शतवर्षीय व्याखान होगा। कृपया उन सब के लिए प्रार्थना करें जो इस कार्य से जुड़े हैं, या ई-मेल करें: rae.bill@xtra.co.nz. आगामिक सह-क्लर्क हैं क्लेयर और लिनले ग्रेगोरी जो ए डब्ल्यू पी एस में भलीभाँति जाने जाते हैं।

युवा फ्रेण्डस् 2010 बैकहाऊस व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे : वार्षिक बैकहाऊस व्याख्यान जिसे प्रतिवर्ष ऑस्ट्रेलिया वार्षिक सभा के दौरान प्रस्तुत किया जाता है, आगामी वर्ष इसे युवा फ्रेन्डस् द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसका स्थान एडेलेड में है, और हमारे सेक्शन के युवा फ्रेन्डस् को आमन्त्रित किया जाता है कि ऑस्ट्रेलिया युवा फ्रेन्डस् के निकट सम्पर्क में रहें, और जबकि तैयरियाँ की जाती हैं तो उन्हें प्रकाश में बनाए रखें। यदि विदेशों से युवा फ्रेन्डस् इस वार्षिक सभा में भाग लेना चाहते हैं (अपने ही खर्चे पर) तो इस वैबवाइट का अवलोकन करें: www.quakers.org. au जहाँ पँजीकरण के विस्तृत विवरण इस वर्ष के अन्त तक भेज दिए जाएँगे।

ए डब्ल्यू पी एस उप या सहचारी सचिव : हमारे संविधान एवं हैन्डबुक में एक उप-सचिव की नियुक्ति के प्रावधान किए गए हैं। देखें संविधान, क्रमांक 8ब, और हैन्डबुक क्रमांक 3 पृष्ठ 7, दोनों हमारी वैबसाइट पर हैं: www.fwccawps.org सचिव एवं उपसचिव के कर्त्तव्य हैन्डबुक में सूचीबद्ध हैं। सचिव एक फ्रेण्ड को इस पद पर नियुक्त करने की आवश्यकता महसूस करता है। फ्रेण्डस् को निमंत्रण दिया जाता है कि वे अपने आवेदन ई-मेल द्वारा 31 जुलाई 2009 तक भेज दें, जो इन कर्त्तव्यों एवं दशा को सम्बोधित करे कि इस पद पर कौन आवेदनकर्त्ता सही होगा। यह नियुक्ति सेक्शन समिति द्वारा दिसम्बर 2011 तक के लिए की जाएगी। सारे संचारण अंग्रेज़ी में होंगे। फिर भी, यदि आवेदन ऐसे जनों से प्राप्त होते हैं जो एशिया की अन्य एक या अधिक सामान्य भाषा जानते हैं उन्हें वरीयता दी जाएगी। इसके लिए कोई वेतन नहीं दिया जाएगा, पर जो खर्च होते हैं उनकी भरपाई की जाएगी।

2011 सेक्शन गेदरिंग के लिए विषयः

अभी हमारे पाठकों के लिए समय है कि मनीला में 2011 में होने वाली गेदरिंग के विषय का सुझाव दें। गैरी ग्यूटन ने बाइबल के और आरंभिक फ्रेन्डस् के सन्दर्भों का प्रावधान किया है जो कि एक ऐसे देश में सम्पूर्ण सन्दर्श को प्रतिबिम्बित करता है जिसने निचले दर्जे के मानवीय अधिकारों और अन्याय के बोझ के कारण दु:ख सहा है।

यशायाहः

9:2- जो लोग अन्धियारे में चल रहे थे उन्होंने बड़ा उजियाला देखा; और जो लोग घोर अन्धकार से भरे हुए मृत्यु के देश में रहते थे, उन पर ज्योति चमकी।

60:18- तेरे देश में फिर कभी उपद्रव और तेरी सीमाओं के भीतर उत्पात या अन्धेर की चर्चा न सुनाई पड़ेगी; परन्तु तू अपनी शहरपनाह का नाम उद्धार और अपने फाटकों का नाम यश रखेगी।

60:21: तेरे लोग सब के सब धर्मी होंगे; वे सर्वदा देश के अधिकारी रहेंगे, वे मेरे लगाए हुए पौधे और मेरे हाथों का काम ठहरेंगे, जिस से मेरी महिमा प्रगट हो।

60:8: क्योंकि मैं यहोवा न्याय से प्रीति रखता हूँ; मैं अन्याय और डकैती से घृणा करता हूँ; इसलिए मैं उनको उनका प्रतिफल सच्चाई से दूँगा, ओर उनके साथ सदा की वाचा बान्धूगा।

लैव्यव्यवस्थाः

25:10: और उस पचासवें वर्ष को पवित्र मानना, और उस देश के सारे निवासियों के लिए छुटकारे का प्रचार करना; वह वर्ष तुम्हारे यहाँ जुबली कहलाए; उसमें तुम अपनी अपनी निज भूमि और अपने अपने घराने में लौटने पाओगे।

25:13: इस जुबली के वर्ष में तुम अपनी अपनी निज भूमि को लौटने पाओगे।

यहेजकेलः

22:2: हे मनुष्य के सन्तान, क्या तू उस हत्यारे नगर का न्याय न करेगा, क्या तू उसका न्याय न करेगा? उसको उसके सब घिनौने काम बता दे

प्रारंभिक क्वेकर्स्

उन्हें भूमि के पुन: बँटवारे के रूप में कहा गया जो कि उनकी इब्रानी बाइबल

पढ़ने पर आधारित है। जवान जेम्स् परनैल ने कहीं बढ़कर आर्थिक निष्पक्षता की मांग की थी जिसके द्वारा उनका प्राथमिक अर्थ था कि सारगर्भित अर्थव्यवस्था की पुनर्रचना भूमि के पुन: वितरण को समाहित करके किया जाए। 'तुम पर हाय', वह धनवानों पर फूट पड़ा था, *जो सामन्त, महिलाएँ, सूरमा, सज्जन और भद्र स्त्रियाँ कहलाते हैं, और व्यक्तियों की वाहवाही लूटते हैं, जो पृथ्वी में उन्नत हो गए, जो घमण्डी, और वर्गीय, और उदात्त कहलाते हैं.... अपने भड़कीले वस्त्रों के कारण अपनी भूमि (धरती) के कारण जिसे आपने एक साथ मिलकर छल-बल से, दमन से, चालाकी से अपनी बना ली है।*

परनैल 1 कुरि.10:7; ओब.3:4; नीति.38:13, यशा 30:1 उद्धरत करते हैं।

आरंभिक क्वेकर्स् के लिए भूमि परमेश्वर की थी और पुन: वितरक न्याय किए बिना परमेश्वर के राज्य की स्थापना की कोई गंभीर बातचीत नहीं की जा सकती।

परनैल के उद्धरण में 'अधिक धरती' का सन्दर्भ, विकास कर रही अर्थव्यवस्था और अनुचित या न्याय-विरुद्ध भूमि की उपलब्धता के लिए सटीक सन्दर्भ है।

सामुएल फिशर के लिए भी, दशमांश लोगों की भीड़ से चोरी थे जो कि भूमि के वास्तवकि मानव स्वामी थे।

और *दि कन्डीशन एण्ड पोर्शन ऑफ द पीपुल ऑफ इन्लैंड (1653)* इंग्लैंड के लोगों की दशा और (भाग), नेलर ने फटकारा:

'तुम मोटे सूअर पर हाय। अब प्रभु को आकर अपने अनाज और अपनी दाख को मांगना है जिसे उसने कंगालों (निर्धनों) और भूखों को खिलाने के लिए दी थी, जिसे तुम्हारी लालसा ने निगल लिया है।'

उसने ''महा भूसम्पत्तियों-बड़ी बड़ी जागीरों'' के सीधे परिणामों को निर्धनों की दुर्दशा के रूप में देखा। मन में परमेश्वर के राज्य की नीति-विषयक के साथ पुन: 'लोभियों' पर दहाड़ता है, जिन्होंने 'घर से सटाकर घर और खेत बना डाले हैं।' निर्धनों के जोतने बोने के लिए कोई स्थान न बचा (जिन्हें तुम) तुच्छ जानते और (तुम) स्वयं उनसे उन्नति करते जाते हो और यह भूल जाते हो कि तुम मिट्टी के एक ही लौंदे और रक्त से बनाए गए हो....उस दिन तुम्हारी धन-सम्पत्ति (जब वह आएगा) क्या उपलब्ध करा पाएगी...क्योंकि तुम्हारा राज्य तुम से ले लेना चाहिए, और उनको दे देना चाहिए जो फल फलेंगे।

नेयलर नीति 11:1; यशा 3:15 और 5:8-9, प्रेरितों 17:26; गला 2:6 उद्धरत करता है।

वालेरी जॉए का पसन्दीदा प्रसंग मीका से है, जहाँ अध्याय 2 और 3 में उनका परिणाम (नियति) जो निर्धनों का दमन करते हैं, उसे स्पष्ट रूप से बताया गया है। 6:8 में, ''हे मनुष्य वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है; और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले।''

एफ डब्ल्यू सी सी-इ एम इ एस वार्षिक सभा 2009, मोयाल्लौन सेन्टर, काउन्टी अरमाघ, उत्तरी आयरलैण्डः पत्री

सब कहीं मित्रों को,

हमारे पास एक फलने-फूलने वाले बाग (बगीचे) का दर्शन है और हमें बुलाया गया कि दर्शन को पूरा करें और इसे बनाए रखें।

हमारे बगीचे हमारी सभाएँ हैं और दिलचस्पी (चिन्ता) है। हम बीज बोने में व्यस्त रहे थे, धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे और कोमलता से देखभाल कर रहे, उसे पोषित कर रहे जो पहले से हमारे पास है, अपने फलों (फसल) को काट रहे और भविष्य के लिए योजनाएँ बना रहे हैं, और इसके प्रति सजग हैं कि सब कुछ क्रमानुसार हो और अच्छा प्रशासन हो।

परामर्श के लिए फ्रेन्डस् विश्व समिति के यूरोपीय और मध्यपूर्व में जो फ्रेन्डस् हैं वे ऑनलाइन संचारण (संसार) का उपयोग क्वेकर के गहरे अनुभव को पाने के लिए दूसरों के साथ बढ़ती हुई भाषाओं की संख्या में कर रहे हैं।

हमारे पास एक फलता-फूलता विज़िटिंग फ्रेन्डस् (मित्रों से मिलने जाने) का कार्यक्रम है, जो एक फ्रेन्ड से आरंभ हुआ था, तब यह बढ़कर छः हो गया। अब फ्रेंन्डस् का एक कुण्ड (तालाब) है जो कि भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं भाषाई क्षेत्रों से परे यात्राएँ करते और अन्य मित्रों से सम्बन्ध बना रहे हैं, योगदान (आर्थिक) दे रहे हैं। इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए धन उपलब्ध कराने के प्रति हम कृतज्ञ हैं।

हमने रामाल्लाह के निकट अमारी प्ले सेन्टर के प्रति अपने समर्पण को दृढ़ता पूर्वक दोहराया है। फ्रेन्डस् में मिडिल ईस्ट में साक्षी देने की तीव्र लालसा है। आज के दिन तक यह योजना जारी है जो उस स्थान पर कार्य कर रहे समर्पित स्टाफ़

के लिए धन्यवाद, रामाल्लाह में फ्रेन्डस् और मिडिल-ईस्ट, यू एस और यूरोप के निष्ठावान दानदाता। कृपया प्रकाश में स्वीडिश फ्रेन्डस् को संभालें एवं थामे रखने में हमारे साथ मिल जाएँ जबकि वे कार्यक्रम को चलाने और मज़बूत बनाने में प्रशासनिक कार्य को बल प्रदान करने में सार्थक प्रस्ताव रखते हैं।

अमारी में प्रोजेक्ट को दृढ़ीकरण करना एक विशेष महत्व है वह भी इस दृष्टिकोण से क्योंकि उस क्षेत्र में निरन्तर हिंसा जारी है।

हमने वातावरणीय चुनौतियों पर अपनी सभाओं के कार्यकलापों और प्रत्युत्तरों को एक दूसरे को बताया है और ग्लोबल एनर्जी (वैश्विक ऊर्जा), सुरक्षा एवं शान्ति के मामलों के बारे में सीखा है जिन्हें क्वेकर काउन्सिल फॉर यूरोपियन क्वेकर्स् (यूरोपीय क्वेकर मामलों के लिए क्वेकर परिषद) द्वारा सम्बोधित किया गया। एक नयी अन्तरराष्ट्रीय संगति के लिए आवश्यकता ने हमें स्वयं को जाँचने पर मज़बूर किया कि किस प्रकार से हम एक सामूहिक रूप से सम्बध रखने में एकजुट हो सकें और मामले पर एक साथ मिलकर कार्य करें।

आयरलैंड वार्षिक सभा के केन्द्र में, मोयाल्लौन सेन्टर पर होने वाली वार्षिक सभा में भाग लेने के लिए हम पैंतालीस जनों ने सत्रह देशों से यात्राएँ कीं। अठारहवीं शताब्दी के मीटिंग हाऊस के बगल में 2006 में इस केन्द्र का उदघाटन् किया गया था जो एक लम्बे समय के दर्शन का पूरा होना था कि युवाओं को प्रोत्साहित करें कि परमेश्वर की अति निकटता में चलें।

हमारी वार्षिक सभा का विषय था 'पवित्र आत्मा का उद्वेलन: मार्था और मरियम पर मनन। मार्था और मरियम के समान जब उन्होंने यीशु के लिए अपना घर खोला, तब हमें याद दिलाया गया, पवित्र आत्मा के संचालन के साथ, कि अपने जीवनों से बाधा डालना और दुचित्तेपन को झाड़कर अलग कर दें: जिसे हम प्यार से थामे हैं, हमारे विश्वास का धन उससे प्रेरणा ले।

हमने अपने मिडिल ईस्ट के प्रिय मित्रों के न आ पाने पर बड़ा खालीपन महसूस किया पर हम आशा करते हैं कि आगामी वर्ष बॉन्न-वेनसबर्ग जर्मनी में हम उनसे मिलने योग्य होंगे।

12 अप्रैल 2009

* * * * *

स्मरण पत्र : एक निबन्ध जमा करने का निमंत्रण

''क्या आप सामान्य लक्ष्यों का अनुसरण करने के अन्तर्गत अन्य धार्मिक समूहों के साथ प्रसन्तापूर्वक कार्य करते हैं? जबकि आप क्वेकर अन्तर्दृष्टियों के प्रति विश्वासयोग्य बने रहते हैं ऐसे में दूसरे विश्वास के समुदायों के जीवन और साक्षी में कल्पनाशीलता से प्रवेश करने का प्रयास करें, एक साथ मिलकर मित्रता के बन्धनों का सृजन करें। (ब्रिटेन वार्षिक सभा 1994 की सलाह है। और प्रश्नावली)''

ए डब्ल्यू पी एस सेक्शन में जो देश प्रतिनिधित्व करते हैं उनमें आसाधारण सांस्कृतिक, धार्मिक और मानवजातीय भिन्नताएँ पाई जाती हैं। जबकि फ्रेन्डस् की धार्मिक संस्था ने कुछ सौ वर्षों से अपना ही एक अलग चरित्र और आवाज़ की पहिचान को बनाए रखा है, फिर भी अन्य विश्वासों, आस्थाओं के लोगों के अनुभवों से निरन्तर सीखते रहना चाहिए, चूँकि उनके सांस्कृतिक और धाार्मिक रीति रिवाज़ों, विश्वासों और परम्पराओं में अध्यात्मवाद के प्रति मूल्यवान अर्न्तदृष्टिटियाँ निहित हैं जो कि एशिया वेस्ट पैसिफिक सेक्शन में क्वेकर समुदायों की आराधना को सम्पन्न बना सकती हैं।

ऑस्ट्रेलिया 2000 ने ए डब्ल्यू पी एस को दान दिया था कि ऐशिया पैसिफिक (प्रशान्त महासागरीय) में दूसरे धार्मिक समुदायों की आत्मिक अन्तर्दृष्टियों से फ्रेन्डस् आगे कुछ सीखें। सदस्यगण या एशिया वैस्ट पैसिफिक सेक्शन से किन्हीं भी सभाओं में भाग लेने वालों को आमंत्रित किया जाता है कि वे एशिया वैस्ट पेसिफिक क्षेत्र के ग़ैर-मसीही रहस्यवाद के किसी भी पहलू पर एक छोटे लेख पर कार्य करें और यह देखें कि किस प्रकार यहाँ क्वेकर समुदाय इन परम्परा के अन्दरूनी प्रकाश में क्वेकर आराधना को सुन्दर सजीव बना सकते हैं। जबकि यह क्षेत्र के सभी फ्रेन्डस् के लिए द्वार खुला है, यह आशा की जाती है कि इवेन्जलीकल फ्रेन्डस् और युवा व्यस्क फ्रेन्डस् इस अवसर का लाभ उठाएँगे।

आवेदन कैसे करें:

अधिक जानकारी के लिए टॉप्सी इवान्स् को ई-मेल भेजें:

tevans@130.aone.net.au

ऑन लाइन पर प्रस्तावित लेख को उपरोक्त पते पर जून 2009 तक अवश्य भेज दें और जो प्रस्ताव इस प्रोजेक्ट के लक्ष्यों पर खरा उतरेगा उसका चयन एक समिति द्वारा किया जाएगा।

खजानची का प्रतिवेदनः

खजानची के दृष्टिकोण से भोपाल गेदरिंग:

यह एक असाधारण गेंदरिंग थी— फ्रेन्डस् परम्पराओं और संस्कृतियों का एक वास्तविक मिश्रण, जो कि, जैसा कि आप अपेक्षा कर सकते हैं सच में दिलचस्प क्षण एवं चुनौतियाँ भरे रहे होंगे।

भारतीय फ्रेन्डस्, देवदास श्रीसुन्दर और विशेष रूप से भोपाल की मीटिंग अत्याधिक सहायता करनेवाली थी। और हम सब की बड़ी अच्छी तरह से देखभाल की गई। उदाहरण के लिए, पास्टोरल सेन्टर पर एक भोपाल फ्रेन्ड ने स्वैच्छा से किचिन में काम किया, और इस बात का पूरा ध्यान रखा कि पश्चिमी भोजन (उनके अपने विचार से) एवं अन्य प्रकार के भोजन लोगों की पसन्दानुसार परोसे जाएँ। पास्टोरल सेन्टर के साथ फादर लिओ सम्पर्क व्यक्ति थे और वे इससे अधिक सहायता प्रदान करने वाले नहीं हो सकते थे।

150 फ्रेन्डस् में से आधे तो भारत से थे और सभी ने भारतीय वाय एम्स् का प्रतिनिधित्व किया था। बहुतों के लिए तो यह 'क्वाइट (शान्त) फ्रेन्डस्' के साथ पहली बार सामना करना था - अधिक उदार अनुनय - और इसके विपरीत। हमारा एक सप्ताह से अधिक समय संसार के बहुत से भागों से आए फ्रेन्डस् के साथ संगति करने, एक दूसरे को जानने और क्वेकर परम्पराओं को जानने के अवसर मिले, और मुझे निश्चय है कि हममें से अधिकाँश अपने मनों में प्रश्नों के साथ घर गए कि हम सब 'क्वेकर्स्' झण्डा के नीचे कैसे घुल मिल गए थे! तथापि, हममें बहुत कुछ सामान्य था, जो कि भिन्नताओं के होते हुए भी एक वास्तविकता थी।

अब यह कि हिसाब किताब को अन्तिम रूप दे दिया गया है, मैं यह बता सकती हूँ कि सीओल गेदरिंग के पश्चात् ऑस्ट्रेलियन डालर 5,146 की तुलना में 4027 ऑस्ट्रेलियन डालर गेदरिंग धन हमारे पास था। दूसरे शब्दों में भोपाल गेदरिंग पर ऑस्ट्रेलियन डालर 1119 अधिक खर्च हुआ जिसे हम घाटा कहते हैं और जिसे ऑस्ट्रेलियन डालर 10431 होना चाहिए था। अनेक क्वेकर्स् सभाओं, और न्यासों के उदार आर्थिक योगदान के बिना भोपाल गेदरिंग का खर्च पूरा नहीं होता। फिर कई व्यक्ति विशेष ने उनसे निवेदन की गई राशि से बढ़कर और कई ने विशेष आवश्यकताओं के लिए स्वैछापूर्वक धनराशियाँ भेजीं जैसे कि फ्रेन्डस् के यात्रा खर्चों को वहन करना, उनके सहयोग के बिना यह सब संभव नहीं हो सकता था।

हमारी सबसे बड़ी कठिनाई इस आवश्यकता को लेकर उठ खड़ी हुई थी कि एक वर्ष पूर्व अग्रिम बजट प्रस्तुत करना, और यह वह वर्ष था जब हमने ऑस्ट्रेलियन डॉलर के एक्सचेन्ज दरों में भारी गिरावट देखी और भारतीय रुपया 0.47 से 0.32 तक चल गया। अन्य करेन्सी भी प्रभावित हुई।

मैं नलिनी टाइटस और तायसू किम वाटसन की हार्दिक कृतज्ञ हूँ जिन्होंने गेदरिंग के दौरान स्वेच्छा से हमारी सहायता की। नलिनी के बिना मैं बहुत सारे भारतीय भाग लेने वालों से संचार-संवाद (बातचीत) ही नहीं कर पाती और इसने और तायसू ने 'बुक कीपिंग' में मूल्यवान सहायता की। प्रत्येक खजानची के पास ऐसे सहायक होने चाहिए:

हम स्वेच्छापूर्वक योगदान (आर्थिक) दिए जाने के लिए अत्यन्त कृतज्ञ हैं कि जो तमाम खर्चे हमारे सामने थे वे विश्वासपूर्वक पूरे किए गए जिसे आयोजक समूह का कोई भी जन कभी भूल न पाएगा। परिणाम हमारी अपेक्षाओं से बढ़ गए थे, और हम इसे एक स्थाई बने रहने वाले अन्तर के रूप में महसूस करेंगे जो हमारी समझ से बाहर है (और प्रश्न!) अर्थात् क्वेकर परम्पराओं की पूरी पंक्ति ने गेदरिंग में प्रतिनिधित्व किया था।

वास्तव में महत्वपूर्ण!!!!!!!

फिलीप्पाइन्स् में 2011 में होने वाली आगामी गेदरिंग के लिए अभी से पैसे बचाना आरंभ कर दें। जैसा कि हमने भोपाल में किया था, यहाँ भी कीमतों को कम रखने की पूरी कोशिश करेंगे, परन्तु फिर भी यात्रा किराया और निवास के लिए तो भुगतान करना पड़ेगा, और हम चाहते हैं कि सब कोई वहाँ हों।

2008 का लेखा जोखा

मैं इन्गा टॉल्ले, मेरी स्थानीय सभा की खजानची की अत्यन्त कृतज्ञ हूँ, और जो एफ डब्ल्यू सी सी की लम्बे समय से सहयोग देने वाली हैं। उन्होंने 2008 के वार्षिक आकउन्ट (लेखा) को हीं नही पर गेदरिंग लेखा की ऑडिटिंग करने का कठिन कार्य किया। बीते लेखे-जोखे सीधे सादे थे, पर गेदरिंग का लेखा अपने आप में बहुत बड़ा कार्य था। इसे व्याख्यात्मक ढँग से करने के लिए कला एवं विज्ञान की आवश्यकता पड़ती है? आपकी रिपोर्ट आगे दी गई है। यदि आप पूरा स्टेटमेन्ट प्राप्त करना चाहते हैं तो मुझ से सम्पर्क करें: tevans@130.aone.net.au

''स्वतन्त्र ऑडिट (लेखा-परीक्षा) प्रतिवेदन''

फ्रेन्डस् वर्ल्ड कमीटी फॉर कन्सलटेशन, एशिया वैस्ट पैसिफिक सेक्शन इन्क के सदस्यों के लिए; 31 मार्च 2009

मेरे विचार में कुछ ही विसंगतियों के साथ, संलग्न वित्तीय प्रतिवेदन उचित रीति से तैयार किया गया है। भिन्नताओं का आने का कारण एक्सचेन्ज दरों में अन्तर, और कुछ रसीदों को प्राप्त न कर पाना है। यह लेखा-परीक्षण एफ डब्ल्यू सी सी एशिया वैस्ट पैसिफिक सेक्शन के एकदम सटीक दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो सूचनाएँ मुझे दी गईं और स्पष्टीकरण सामने आए उन सब को दृष्टिगत रखते हुए, जैसा कि लेखा पुस्तकों में दर्ज है एवं 31 दिसम्बर 2008 की सभाओं की पुस्तकों में दर्शाया गया है उसी के अनुसार इसे तैयार किया गया है।

इन्गा टौल्ले, खजानची फॉर सोसायटी ऑफ फ्रेण्डस् ईस्टर्न सबर्ब्स् स्थानीय सभा, एडेलायडे।''

मैं फ्रेन्डस् को आश्वासन दे सकती हूँ कि हमारी वित्त-व्यवस्था ठीक दशा में हैं, यह फ्रेन्ड्स के दानों और हमारी सेक्रेटरी के निर्णय के कारण से है कि ये अपने कार्य का कोई वेतन नहीं लेंगी। वे केवल डाक खर्च, फोन काल्स् इत्यादि के भुगतान लेती हैं, और हाल ही में जब उनके कम्प्यूटर एवं प्रिन्टर में भारी गड़बड़ी आ गई तब उन्हें बदलने के लिए ए डब्ल्यू पी एस ने आधे खर्च का भुगतान किया था। अन्यथा वे एक सही चलनेवाले कम्प्यूटर सिस्टम के ढेर सारे काम को अंजाम नहीं दे पातीं जिसे वे हमारे लिए करती हैं।

		वास्तविक 2008 2008	बजट 2009	2009 से आज तक (मार्च/अप्रैल)
खर्चे				
सेक्रेटरी के खर्चे				
	ऑफिस के खर्चे	1353	1500	828
	यात्रा व्यय (1)	5921	2500	0
	न्यूज़लैटर प्रिन्ट ऑस्ट्रे. में	336	0	0
	न्यूज़लैटर पोस्टेज़ ऑस्ट्रे.में	454	0	0
अन्य प्रबन्धयीय		120	150	350
वैबसाइट मेनटेनेन्स		4190	1500	630
बैंक फीस		126	120	4
प्रस्ताव	ग्लोबल चेंज कमीटी	0	2000	1141
	आई टी अपग्रेडस्	0	3000	1000
	न्यूज़लैटर-भारत (2)	0	4000	0
कुल खर्चे		**12500**	**14770**	**3953**
आय				
	न्यूज़लैटर	220		242
	वाय एम एवं एम एम	10148		0
	व्यक्तिगत फ्रेण्डस्	872		291
	बैंक का ब्याज	60		18
कुल आय (3)		**11300**		**551**

टिप्पणियाँ:

1. लगभग डॉलर 3000 सी इ सी के किराए के लिए डब्ल्यू ओ द्वारा लैटाए जाएँगे
2. बीते वर्ष के न्यूज़ लैटर्स् के लिए भारत में पहले से जमा रुपयों में से भुगतान किया गया
3. सेक्शन के लिए अधिकाँश ग्रान्टस् (अनुदान) सितम्बर के बाद पहुँचते हैं